4th Year Anniversary

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

कैसे भ्रष्टाचार को, सकते रोक जनाब।
इसे जिन्होंने रोकना, वे खुद अधिक खराब।
वे खुद अधिक खराब, पकड़ में जो भी आता।
मोटा देकर माल, मजे से घर आ जाता।
कह साहिल कविराय, बांटता खुलकर पैसे।
लेन-देन को आप, रोक सकते हैं कैसे।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 47 | SATURDAY 28-02-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

आखिर कसूरवार कौन, क्या यूं ही बिगड़ते रहेगें हालात !

जीवन नगर में दुकानदारों पर हमला करते युवक

लुधियाना/यूटर्न/27 फरवरी। लुधियाना में पिछले कुछ दिनों के दौरान लगातार मारपीट की वारदातें सामने आ रही है। हालात यह हैं कि युवाओं द्वारा तेजधार हथियारों के साथ कहीं राहगीर पर तो कहीं दुकानदारों पर हमला कर दिया जा रहा है। हमलावरों द्वारा बिना किसी की प्रवाह किए सरेआम हमले किए जा रहे हैं। ऐसी ही दो नई घटनाएं सामने आई है। जिसमें पहली घटना थाना फोकल प्वाइंट के अधीन आते जीवन नगर और दूसरी किरपाल नगर की है। जीवन नगर में तो अपराधियों ने जमकर उतपात मचाया। हालांकि दोनों मामलों की वीडियोज सामने आई है। लेकिन इन दोनों मामलों में हमलावर युवा है, जिसमें कई शायद नाबालिग भी हो सकते हैं। ऐसे में आखिर इन युवाओं के गलत रास्ते पर चलने के पीछे असली कसूरवार कौन है। क्या पुलिस प्रशासन की ढ़ीली कार्रवाई है या पेरेंट्स का अपने बच्चों पर कंट्रोल नहीं है। दोनों में किसी का भी कसूर हो, लेकिन क्या ऐसे में हालात खराब होते रहेगें या इन पर काबू पाया जा सकेगा।

क्या पेरेंट्स का बच्चों पर नहीं कंट्रोल ?

वहीं इन दो हमलों से पहले भी हुई कई घटनाओं में ज्यादातर युवा ही सामने आ रहे हैं। 8-10 युवक इकट्ठे होकर घूमते है और फिर विवाद होने पर चंद मिनटों में तेजधार हथियार लाकर हमला कर देते हैं। हालांकि गुरदासपुर में भी दो पुलिस मुलाजिमों की हत्या करने वाले हत्यारे 18 से 20 साल के युवा ही थे। ऐसे में यह बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या पेरेंट्स का बच्चों पर कंट्रोल नहीं है। इन वारदातों से देख यहीं लगता है कि माता पिता पहले अपने बच्चों पर ध्यान नहीं देते, जिस कारण वह गलत रास्ते पर चलते हैं और फिर बाद में ऐसी घटनाएं होती है।

दुकान में घुसकर की मारपीट और तोड़फोड़

वहीं बात करें जीवन नगर इलाके में हुई वारदात की, तो वहां दो दर्जन के करीब तेजधार हथियारों से लैस युवाओं द्वारा एक दुकान में घुसकर हमला

किया जाता है। जिसके बाद दुकानदारों को सड़क पर पीटा जाता है और फिर उनका सामान भी उठाकर फेंका जाता है। मौके पर भीड़ इकट्ठी होती है, लेकिन बेखौफ हमलावर सरेआम हमला करते रहते हैं। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम में दुकानदार रोहित ने बताया कि उनके पास अंकुश नामक युवक काम करता है। हमलावर युवकों ने एक महीना पहले उसकी बहन के साथ छेड़छाड़ व मारपीट की थी। पुलिस ने युवकों को हिरासत में लिया था। इसी रंजिश में वहीं युवक वीरवार रोत को अंकुश को पीटने आए थे। जब उसके बचाव की कोशिश की तो सभी को पीटा गया।

पुरानी रंजिश या आपसी मामलों में पुलिस कैसे करेगी सुरक्षा

वहीं बात करें, पुरानी रंजिश की या आपसी मामलों की तो ऐसे में अब पुलिस हर शहरवासी की सुरक्षा कैसे कर पाएगी। किसी व्यक्ति की दूसरे के साथ रंजिश है, ऐसे में उस व्यक्ति को खुद को नहीं पता होता कि उस पर हमला कैसे और कब हो सकता है तो आखिर पुलिस को पहले ही कैसे मालूम होगा और उसकी सुरक्षा करेगी। वहीं लुधियाना की आबादी 40 लाख है और पुलिस की नफरी लगभग 5 हजार के करीब है। ऐसे में इतनी भारी संख्या में जनता की सुरक्षा कैसे होगी।

दुकान में घुसकर दुकानदार के मारे ब्लेड

दूसरे मामले में किरपाल नगर में दिनदहाड़े एक दुकानदार पर पुरानी रंजिश के कारण एक युवक ने ब्लेड से हमला कर दिया। हमलावर ने दुकानदार की बाजू पर ब्लेड से कई वार कर जख्मी कर दिया। जिसके बाद वहां से भाग निकला। इलाके के लोगों ने हमलावर को पकड़ लिया और जमकर उसकी पिटाई की। फिर मौके पर थाना दरेसी की पुलिस पहुंची। पुलिस ने हमलावर को हिरासत में ले लिया। जख्मी दुकानदार सनी है। जिसे सिविल अस्पताल दाखिल कराया गया है।

थाना फोकल प्वाइंट पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप

वहीं जीवन नगर हमले के मामले में दुकानदारों ने वीर पैलेस के बाहर

धरना प्रदर्शन करते हुए रोड जाम कर दिया। दुकानदारों का आरोप था कि उन्होंने पहले थाना फोकल प्वाइंट की पुलिस को शिकायत दी थी। लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद रात को हमलावरों ने हमला कर दिया। वहीं पुलिस द्वारा कार्रवाई का आश्वासन देकर प्रदर्शन खत्म कराया गया। मौके पर पहुंचे एसएचओ बलबीर सिंह का कहना है कि सभी आरोप गलत है। पुलिस पहल के आधार पर कार्रवाई कर रही है।

दिसंबर तिमाही में भारत की इकॉनमी उम्मीद से ज्यादा 7.8 प्रतिशत की रफ़्तार से बढ़ी

चंडीगढ़/यूटर्न/27 फरवरी। दिसंबर में खत्म हुई तिमाही में भारत की इकॉनमी उम्मीद से ज्यादा 7.8 प्रतिशत की रफ़्तार से बढ़ी। रॉयटर्स के इकोनॉमिस्ट के एक पोल में अक्टूबर-दिसंबर में ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट के 7.2 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया गया था। यह लेटेस्ट प्रिंट तब आया है जब सरकार ने एक्यूरेसी सुधारने के लिए इकोनॉमिक आउटपुट कैलकुलेट करने के फ्रेमवर्क में बड़े बदलाव किए हैं। पिछली तिमाही में, भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 प्रतिशत थी, जिसे नई सीरीज के तहत रिवाइज करके 8.4 प्रतिशत कर दिया गया है। फाइनेंशियल ईयर 2026 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान भी पहले के 7.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की लीड इकोनॉमिस्ट एलेक्जेंड्रा हरमन ने कहा, जीडीपी डेटा हमारी और आम सहमति दोनों की उम्मीदों से बेहतर रहा। जनवरी में, भारत के स्टैटिस्टिक्स और प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन मंत्रालय ने डेटा की क्वालिटी, क्रेडिबिलिटी और पॉलिसी रेलेवेंस को मजबूत करने के लिए जीडीपी सीरीज, इन्फ्लेशन और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन डेटा में बदलाव किए, ऐसा उसने एक बयान में कहा।

पुराने डाटा में लिमिटेशन

आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सरकारी डेटा में लिमिटेशन हैं, जैसे पुराने बेस ईयर (2011/12) का इस्तेमाल और महंगाई कैलकुलेट करने के लिए होलसेल प्राइस इंडेक्स और सिंगल डिफ्लेशन का इस्तेमाल, ये सभी असली इकोनॉमिक मेजर्स को बिगाड़ सकते हैं। एमओएसपीआई के सेक्रेटरी सौरभ गर्ग ने गुरुवार को लोकल मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा, नई जीडीपी सीरीज काफी हद तक आईएमएफ की चिंताओं को दूर करेगी, और इसके चलते, हमें उम्मीद है कि भारत के नेशनल अकाउंट्स डेटा का उनका असेसमेंट और रेटिंग बदल जाएगी।

बेस ईयर को 2012 से बदलकर एफवाई 2023 किया जाएगा

फ्रेमवर्क में बदलावों के तहत, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकॉनमी ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट बेस ईयर को 2012 से बदलकर फाइनेंशियल ईयर 2023 कर देगी। हरमन ने कहा कि इकॉनमी के तेजी से बढ़ने वाले सेगमेंट को बेहतर तरीके से कैप्चर करने से पता चलता है कि नई सीरीज के तहत मापी गई ग्रोथ ट्रेजेक्टरी स्ट्रक्चरल रूप से ज्यादा होने की संभावना है। इस फाइनेंशियल ईयर में प्राइवेट कंजम्पशन और ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन दोनों में 7.0 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ रेट से बढ़ोतरी हुई। एमओएसपीआई ने रिलीज में कहा, रीबेसिंग के बाद लगातार 3 फाइनेंशियल ईयर में इकॉनमी के मजबूत परफॉर्मेंस में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का बड़ा योगदान रहा है।₹ पिछले साल एक रिपोर्ट में, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भारत सरकार के इकोनॉमिक डेटा की एक्यूरेसी पर चिंता जताई थी और इसे उ ग्रेड रेटिंग दी थी, जो इसकी दूसरी सबसे कम रैंक है।

घरेलू कंजम्पशन, टैरिफ

दिसंबर क्वार्टर के दौरान, फेस्टिव सीजन की वजह से भारतीय इकोनॉमी में सोने और ऑटोमोबाइल के घरेलू कंजम्पशन में कुछ बढ़ोतरी देखी गई। हालांकि, यह पहला पूरा क्वार्टर भी था जब भारतीय एक्सपोर्टर्स को व.र. के 50 प्रतिशत टैरिफ का असर महसूस हुआ। व.र. को होने वाले भारतीय एक्सपोर्ट पर पिछले साल अगस्त से ये टैरिफ लग रहे हैं, लेकिन अब दोनों देश एक अंतरिम ट्रेड डील पर सहमत हो गए हैं, जिससे टैरिफ घटकर 18 प्रतिशत हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डरों के बाद स्थिति मुश्किल

हालांकि, पिछले शुक्रवार को व.र. सुप्रीम कोर्ट के प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ सिस्टम के ज्यादातर हिस्सों को गैर-कानूनी ठहराने के बाद स्थिति और मुश्किल हो गई है। वॉशिंगटन अब 10 प्रतिशत का ग्लोबल टैरिफ रेट लगा रहा है और इसे और बढ़ाने की धमकी दी है। पिछले महीने जारी हुए इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि व.र. को होने वाले एक्सपोर्ट में कमी से भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ पर कोई असर नहीं पड़ा है। टेक्सटाइल, मरीन प्रोडक्ट, जेम्स और ज्वेलरी, ऑटो कंपोनेंट और लेदर का सामान भारत से होने वाले मुख्य एक्सपोर्ट हैं, जिन पर व.र. टैरिफ की वजह से असर पड़ा है। लेकिन भारत सरकार के शेयर किए गए डेटा के मुताबिक, इन प्रोडक्ट को दूसरे मार्केट मिल गए हैं।

PSIEC की ई-नीलामी में रिकॉर्ड प्रतिसाद, 72.50 करोड़ के औद्योगिक प्लॉट 163.50 करोड़ में हुए आवंटित

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। पंजाब स्मॉल इंडस्ट्रीज एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन (PSIEC) द्वारा 25 फरवरी 2026 को आयोजित

औद्योगिक प्लॉटों की ई-नीलामी में निवेशकों और उद्यमियों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। राज्य के विभिन्न इंडस्ट्रियल फोकल प्वाइंट्स में स्थित कुल 77 औद्योगिक प्लॉट सफलतापूर्वक आवंटित किए गए। इन प्लॉटों का कुल आरक्षित मूल्य लगभग 72.50 करोड़ था, जबकि अंतिम बोलियों के रूप में 163.50 करोड़ प्राप्त हुए। यह राशि रिजर्व कीमत से दोगुने से भी अधिक है, जो पंजाब में औद्योगिक भूमि की मजबूत मांग और निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शार्ती है। PSIEC के अनुसार, यह परिणाम राज्य को निवेश के एक प्रमुख और आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करता है। इंडस्ट्रियल फोकल प्वाइंट्स की रणनीतिक लोकेशन, विकसित बुनियादी ढांचा और भविष्य की व्यापक संभावनाओं ने निवेशकों को आकर्षित किया है। इस नीलामी से प्राप्त राजस्व राज्य में औद्योगिक ढांचे को और मजबूत करने तथा नए विकास कार्यों को गति देने में सहायक होगा। कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में लागू की गई प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों पर निवेशकों ने गहरा भरोसा जताया है। PSIEC ने पारदर्शी आवंटन प्रक्रिया, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने और सतत औद्योगिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। बढ़ती मांग को देखते हुए आगामी चरणों में भी प्लॉट आवंटन और विकास कार्य जारी रहेंगे।

फर्जी पत्रकार बन दुकानदारों से वसूली, चार गिरफ्तार

जीरकपुर, यूटर्न, 27 फरवरी। फर्जी पत्रकार बनकर दुकानदारों को ब्लैकमेल कर रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। थाना जीरकपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य की तलाश जारी है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 308(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित बिकेश कुमार, निवासी गांव माधोपुर स्वरूप (बिहार), हाल निवासी गाजीपुर, जीरकपुर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पिछले तीन साल से यहां किराना व चाय की दुकान चला रहा है। 25 फरवरी को दोपहर करीब सवा तीन बजे इरबनप्रीत सिंह अपने एक साथी के साथ उसकी दुकान पर आया और छोटे गैस सिलेंडर भरकर बेचने का आरोप लगाते हुए खुद को पत्रकार बताया।

माधेपुर में रात के अंधेरे में चल रही है अवैध माइनिंग, कब कसेगा कानून पर शिकंजा

खुलेआम चल रही हैं पॉकेटमार मशीनें, रेत माफिया के लिए सोने की खान

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/27/फरवरी। रेत माफिया द्वारा लगातार रात के समय पास के गांव माधेपुर में सतलुज नदी में अवैध माइनिंग करने की खबरें सामने आ रही हैं। हैरानी की बात यह है कि इलाके में चर्चा है कि यह पूरा काला धंधा कथित तौर पर खनन विभाग के अधिकारियों, पुलिस प्रशासन और राजनीतिक गणमान्य लोगों की मिलीभगत से चल रहा है।

गांव वासियों का इल्जाम:-लोगों का कहना है कि रेत माफिया सरकार से हाथ मिलाकर जहां हर दिन लाखों रुपये कमा रहा है, वहीं बड़े पैमाने पर रेवेन्यू की चोरी कर राज्य सरकार को चूना भी लगा रहा है। हर कोई इस बात को लेकर परेशान है कि रेत माफिया के लिए सोने की खान बन चुका यह धंधा आखिर कब खत्म होगा।

किसको की गई है शिकायत:-इस गंभीर मामले को लेकर खदान के ओरिजिनल अलॉटी मेसर्स बाबा टेक्नोप्लास्ट ने डायरेक्टर, माइंस एंड जियोलॉजी डिपार्टमेंट, पंजाब (चंडीगढ़) को एक लिखित शिकायत भेजी है, जिसमें लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के काम का खुलासा किया गया है।

कौन करता है इलीगल खनन- फर्म ने डायरेक्टर को एक लेटर के जरिए बताया कि मधेपुर खदान (20.60 हेक्टेयर जमीन और 1,81,047 ळढअ एक्सट्रैक्शन कैपेसिटी) का कॉन्ट्रैक्ट हमारी फर्म को अलॉट किया गया था, जिसका लेटर ऑफ इंटेंट 5 जून, 2023 को जारी किया गया था। 19 फरवरी को एनवायर्नमेंटल क्लियरेंस (EC) भी दे दी गई थी। लीगल प्रोसेस के तहत, एउ हमारी फर्म के नाम पर ट्रांसफर होने के बाद ही एक्सट्रैक्शन शुरू होना था, लेकिन पिछले 2-3 महीनों से रेत माफिया यहाँ खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है।

नंबर कंपनी के खनन माफिया की:-फर्म को दिए गए नंबरों से माफिया रेत निकाल रहे हैं, डिपार्टमेंट चैन की नींद सो रहा है

रोज कितनी रेट होती है चोरी:-शिकायतकर्ता ने बताया कि रसूखदार लोग भारी पोकलेन मशीनों की मदद से रोजाना 80 से 100 टिपर रेत निकाल रहे हैं। फर्म ने आशंका जताई है कि माफिया उन्हें दिए गए नंबरों से रेत निकाल रहे हैं, जिससे फर्म को भारी फाइनेंशियल नुकसान उठाना पड़ सकता है। फर्म ने 25 दिसंबर 2025 और 20 फरवरी 2026 को डिपार्टमेंट को लिखकर भी बताया था, लेकिन अधिकारी एक्शन लेने के बजाय चुप रहे। 21 फरवरी को कुछ अखबारों में मामला सामने आने के बावजूद लगातार रेत निकालना लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के कामकाज पर कई बड़े सवाल खड़े करता है।

RNI NO PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

4th Year Anniversary

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 47 | SATURDAY 28-02-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

आप के अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया को बड़ी जीत, दिल्ली शराब पॉलिसी केस में हुए आरोप मुक्त

चंडीगढ़/यूटर्न/27 फरवरी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में आरोप मुक्त कर दिया गया। दिल्ली की एक अदालत ने सीबीआई को कड़ी फटकार लगाई और फैसला सुनाया कि प्रॉसिक्यूशन अपने आरोपों को भरोसेमंद सबूतों से साबित करने में नाकाम रहा है। कोर्ट ने माना कि बड़ी साज़िश और क्रिमिनल इरादे के दावे ज्यूडिशियल जांच में टिक नहीं पाए, क्योंकि उसने मामले के सभी 23 आरोपियों को आरोप मुक्त कर दिया, जिसमें पूर्व बीआरएस नेता के कविता भी शामिल थीं। कोर्ट ने फैसला सुनाया, एक्साइज पॉलिसी में कोई बड़ी साज़िश या क्रिमिनल इरादा नहीं था। केजरीवाल ने फैसले पर इमोशनल होकर प्रतिक्रिया दी और मामले को आजाद भारत की सबसे बड़ी पॉलिटिकल साज़िश कहा। जिसे कथित तौर पर बीजेपी ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी को सत्ता से हटाने के लिए रचा था। उन्होंने यह भी कहा कि किसी को भी सत्ता के लिए देश और संविधान के साथ इस तरह से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए और कहा कि इस फैसले से साबित होता है कि केजरीवाल और अअढ कट्टर ईमानदार हैं।

प्रॉसिक्यूशन की थ्योरी में दम नहीं था

कोर्ट ने कहा, एक बड़ी साज़िश की प्रॉसिक्यूशन की थ्योरी में दम नहीं था और कहानी में अंदरूनी उलझनें थीं। स्पेशल जज ने सीबीआई के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की, उसकी जांच और उनके दावों को साबित करने के लिए मटीरियल की कमी पर सवाल उठाए। कोर्ट ने सवाल किया कि कुछ बयानों और राय को जांच के रिकॉर्ड में क्यों शामिल नहीं किया गया, जिससे जांच के तरीके में संभावित कमियों का पता चलता है।

सीबीआई को पक्ष साफ करने के ऑर्डर

कोर्ट ने यह भी साफ करने की मांग की कि सीबीआई ने कैसे दावा किया कि एक्साइज पॉलिसी पर तीन लीगल एक्सपर्ट्स की राय उसके केस को सपोर्ट करती है, जिससे एजेंसी के मटीरियल के मतलब पर शक का संकेत मिलता है। इसके अलावा, कोर्ट ने प्रॉसिक्यूशन द्वारा साउथ ग्रुप शब्द के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताई, यह कहते हुए कि इस शब्द में केस रिकॉर्ड में क्लैरिटी और सही सबूतों का आधार नहीं था।

केस में रही सबूतों की कमी

केजरीवाल के खिलाफ सबूतों की कमी पर सवाल उठाते हुए, स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने कहा कि गंभीर आरोपों को सबूतों से साबित करने की जरूरत है, क्योंकि बिना सबूतों के मुख्य साजिशकर्ता की भूमिका को साबित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि अगर यह पाया जाता है कि प्रॉसिक्यूशन के दावों को सबूतों से साबित नहीं किया गया, तो ऑफिस में लोगों का भरोसा कम होता है।

केस ज्यूडिशियल जांच में खरा नहीं उतरा

सिसोदिया को बरी करते हुए, कोर्ट ने कहा कि प्रॉसिक्यूशन का केस ज्यूडिशियल जांच में खरा नहीं उतरा और ऐसा कोई सबूत नहीं मिला जिससे उनकी तरफ से कोई क्रिमिनल इरादा दिखे। कोर्ट ने कहा कि जब डॉक्यूमेंट्स को रिकॉर्ड में मौजूद बयानों के साथ पढ़ा गया, तो उनमें किसी गलत काम के बजाय एडमिनिस्ट्रेटिव सोच-विचार दिखता था।

सभी २१ आरोपी हुए बरी

केजरीवाल और सिसौदिया के साथ, दिल्ली की कोर्ट ने इस हाई-प्रोफाइल केस में बाकी सभी 21 आरोपियों को बरी कर दिया, जिसके चलते अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ा था, जिसके बाद आप ने अगले चुनाव में नेशनल कैपिटल में सत्ता खो दी थी। कोर्ट ने माना कि एक्साइज पॉलिसी बनाने का प्रोसेस, जिसमें कई लेवल पर सलाह-मशविरा और सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स शामिल थे, सीबीआई के आरोप के बजाय एक इंस्टीट्यूशनल सोच-विचार को दिखाता है।

- **सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के ऑर्डरों को हाईकोर्ट में दी चुनौती...**सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को कथित एक्साइज पॉलिसी स्कैम केस में बरी कर दिया गया था। अपनी अपील में सीबीआई ने 23 आरोपियों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है। एजेंसी ने तर्क दिया कि ट्रायल कोर्ट उसके द्वारा की गई जांच के कई पहलुओं को ठीक से समझने में नाकाम रहा।

- **फूट फूटकर रोए केजरीवाल...**अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट के फैसले पर कहा कि सच की हमेशा जीत होती है और अगर बीजेपी सच में सत्ता चाहती थी, तो उसे इस केस में उन्हें जेल भेजने के बजाय लोगों का भरोसा जीतना चाहिए था। मीडिया से बात करते हुए, वह इमोशनल हो गए और आंसू रोकने में मुश्किल हुई। केजरीवाल ने कहा, हम हमेशा कहते थे कि सच की जीत होती है। मैं उस जज का बहुत शुक्रगुजार हूं जिन्होंने हमें इंसाफ दिया। सच की जीत हुई है। उन्होंने इस केस को आजाद भारत की सबसे बड़ी पॉलिटिकल साज़िश बताया और आरोप लगाया कि इसे आम आदमी पार्टी के पांच सबसे बड़े नेताओं को जेल में डालकर उसे खत्म करने के लिए बनाया गया था।

पंद्रहवीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती स्वर्ण बेरी

(धर्मपत्नी स्व. श्री सुदर्शन बेरी)

आपने सबको दिया दुलार,
आपकी स्मृतियां हैं अब आधार।
आपके कर्म प्रेरणा हैं हमारी,
आपका व्यवहार है हमारा सूत्राधार।

आज उनकी पंद्रहवीं पुण्यतिथि पर भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वह दिवंगत आत्मा को शांति दें।

आपकी याद में हमेशा

BERRY FAMILY
ALL THE MANAGEMENT & STAFF
BERRY MARBLES PVT. LTD., Ludhiana
BERRY MARBLE INDUSTRIES PVT. LTD., Kishangarh
BERRY ESTATES & REALTORS PVT. LTD., Ludhiana
BHIM SAIN SUDERSHAN KUMAR, Ludhiana

Uturn Time 28 Feb 2026_Layout 2 27-02-2026 23:35 Page 4

भाजपा 14 मार्च को अमित शाह की मोगा रैली के साथ पंजाब चुनाव का बिगुल बजाएगी

यह आयोजन किल्ली चाहलान गांव में होगा, जहां से AAP ने अपना चुनाव प्रचार शुरू किया था

नवीन गोगना

लुधियाना, यूटर्न, 27 फरवरी। भाजपा 14 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक विशाल रैली के साथ पंजाब में अपना चुनाव अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है युटर्न को मिली विशेष जानकारी के अनुसार, शाह किल्ली चाहलान गांव से चुनावी बिगुल बजाएंगे - ठीक उसी जगह से जहां आम आदमी पार्टी (आप) ने 17 फरवरी को 2027 के चुनाव अभियान की शुरूआत की थी।

सूत्रों के अनुसार, रैली के स्थान का चयन सावधानीपूर्वक किया गया है, क्योंकि पंजाब के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मालवा क्षेत्र का केंद्र मोगा सभी दलों के लिए चुनावी मैदान के रूप में उभरा है। पिछले ही हफ्ते, आम आदमी पार्टी (AAP) ने वहां नशा-विरोधी अभियान शुरू किया था। इस रैली में AAP प्रमुख अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद थे।

भाजपा के एक वरिष्ठ सूत्र ने कहा, 'मोगा राज्य का केंद्र बिंदु और पंजाब की राजनीति का गढ़ है। मालवा में एक महत्वपूर्ण स्थान होने के नाते, यह राजनेताओं को अपनी जमीनी ताकत और उपस्थिति का आकलन करने में मदद करता है।'

अमित शाह की 14 मार्च की रैली को लेकर खबर है कि उच्चतम स्तर पर बातचीत पूरी हो चुकी है और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने संगठन प्रभारी के तौर पर योजना को अंतिम रूप दे दिया है। 'गृह मंत्री अमित शाह की रैली राज्य में भाजपा के चुनाव अभियान की शुरूआत होगी। प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे के तुरंत बाद हो रही अमित शाह की रैली भाजपा के लिए पंजाब के महत्व को दर्शाएगी,' एक भाजपा नेता ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि 14 मार्च की रैली यह साबित करेगी कि पंजाब प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की नजरों में है। कुछ समय से यह धारणा बन रही थी कि पंजाब भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर है, क्योंकि भाजपा पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में चुनाव की तैयारियों में सक्रिय रूप से लगी हुई थी, जहां इस साल चुनाव होने हैं। संत रविदास जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी की जालंधर के पास डेरा सचखंड बल्लन की हालिया यात्रा इस बात का पहला संकेत थी कि भाजपा पंजाब में चुनाव रणनीति बनाने में फिर से जुट रही है। भाजपा के लिए, 2027 में होने वाले आगामी पंजाब चुनाव एक कठिन परीक्षा साबित होंगे, क्योंकि कृषि कानूनों को लेकर 2020 में उसकी पूर्व सहयोगी शिरोमणि अकाली दल ने उससे नाता तोड़ लिया था। हालांकि, यह सवाल अभी भी बना हुआ है कि क्या अलग हो चुके सहयोगी चुनाव के लिए फिर से एक साथ आएंगे, क्योंकि दोनों पार्टियों के कुछ वर्ग उनकी वापसी के पक्ष में हैं।

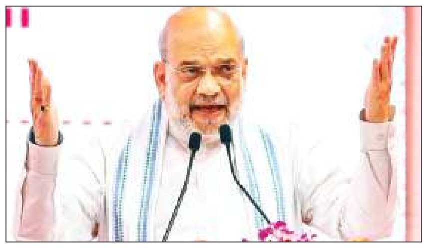

एक फरवरी को पीएम पहुंचे थे पंजाब

पंजाब की ओर विषेश तव्जो दे रहे ही भाजपा इससे पहले एक फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब आए थे। वह संसद में बजट पेश होने के बाद सीधे जालंधर स्थित डेरा बल्ला पहुंचे थे। इस दौरान गुरु रविदास जयंती थी

अमित शाह की हालिया गतिविधियां

हाल ही में अमित शाह ने वीर सावरकर को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें 'अद्वितीय योद्धा' बताया। सशस्त्र सीमा बल (ररइ) द्वारा बॉर्डर आउट पोस्ट 'लेती' और 'इंदरवा' के उद्घाटन समारोह तथा विभिन्न परियोजनाओं के ई-शिलान्यास और आधारशिला कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सावरकर के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद किया। शाह ने कहा कि सावरकर के विचारों और लेखन ने देश में राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा दी है।

गांव किल्ली चाहलां में रैली का क्या महत्व

यह रैली मोगा का गांव किल्ली चाहलां में होनी है। आधिकारिक तौर पर जगराओं का गांव काउके कलां पंजाब का सेंटर पॉइंट बन जाता है, लेकिन उसके नजदीक व हाईवे से कनेक्टिविटी के कारण मोगा के गांव किल्ली चाहलां को सेंटर पॉइंट के तौर पर देखा जाता है। यहां तीनों एरिया माझा-मालवा और दोआबा के रोड मिलते हैं। इससे लोगों का यहां पहुंचना बाकी जगह से आसान है। पंजाब के किसी भी कोने से यहां से अप-डाउन आसान होता है। यह सेंटर पॉइंट होने से यह माना जाता है कि यहां की रैली सबसे ज्यादा भीड़ वाली होगी। यहां आने वाले लोगों की संख्या से राजनीतिक दल भांपते हैं कि सरकार बनेगी या नहीं। यही कारण है कि अकाली दल, भाजपा, कांग्रेस और AAP सबकी पसंद मोगा है। मोगा जिले में होने वाली किसी भी पार्टी या दल की रैली सीधे 18 सीटों तक प्रभाव पहुंचाती है।

पंजाब में नशा और भ्रष्टाचार बेलगाम

भाजपा नेता अश्वनी शर्मा ने आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था बदहाल है और नशा व माइनिंग माफिया के साथ भ्रष्टाचार बेलगाम है। स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है, कर्मचारियों को वेतन-पेंशन समय पर नहीं मिल रही। मुफ्त योजनाओं का बकाया न मिलने से बिजली बोर्ड और पंजाब रोडवेज भारी घाटे में हैं और महीनों से वेतन तक नहीं दे पा रहे। बेअदबी के दोषियों को सजा नहीं मिली, जबकि आप नेताओं पर ही माफिया से मिलीभगत के आरोप आप के नेता, सांसद और विधायक ही लगा रहे हैं। हर फसल पर एमएसपी देने का वादा पूरा करना तो दूर, पिछले चार वर्षों में केंद्र द्वारा गेहूं और धान के लिए भेजी जा रही एमएसपी में भी किसानों को कटौती झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि व्यापारी टैक्स उगाही आतंक से त्रस्त है। शहरों, कस्बों व गांवों को जाने वाली और उनके अंदर की सड़कों की हालत खस्ता है। शर्मा ने कहा कि पंजाब के हर गांव, कस्बे और शहर में चेन स्नैचिंग की घटनाएं रोज हो रही हैं। कबड्डी खिलाड़ियों को सरेआम मौत के घाट उतारा जा रहा है। गैंगस्टर खुलेआम गोलियां चलाकर जिसे चाहें मार रहे हैं, और अब तो पुलिस थानों और एसएसपी कार्यालयों के बाहर भी बेखौफ वारदातें हो रही हैं। इसके लिए बीजेपी की तरफ से तैयारियां की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा ने कहा कि पार्टी 14 मार्च को अमित शाह रैली करेंगे। 'आओ मिलजुल कर बदलें पंजाब, सुखी रहे हमारा पंजाब' नाम से रैली करने जा रही है। यह रैली ऐसे समय आयोजित हो रही है,

सुखबीर सिंह बादल मानहानि मामला :तीसरी बार पेशी से छूट, कोर्ट ने अगली तारीख 23 मार्च तय की

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। नौ वर्ष पुराने मानहानि मामले में पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के

अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल शुक्रवार को भी जिला अदालत में पेश नहीं हुए। उन्होंने पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक का हवाला देते हुए व्यक्तिगत हाजिरी से छूट की अर्जी दाखिल की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अब मामले की अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी। बताया जा रहा है कि पिछले एक महीने में यह तीसरी बार है जब बादल ने पार्टी मीटिंग का कारण बताते हुए अदालत में उपस्थिति से राहत मांगी है। अदालत ने इस बार भी छूट देते हुए उन्हें अगली तारीख पर अनिवार्य रूप से पेश होने के निर्देश दिए हैं।

पहले जारी हो चुके हैं वारंट

गौरतलब है कि 17 दिसंबर 2025 को गैरहाजिरी के चलते अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए थे। इसके बाद 17 जनवरी को उन्होंने अदालत में सरेंडर कर जमानत प्राप्त की थी। बचाव पक्ष के वकील ने अदालत को बताया कि बादल को जरूरी राजनीतिक कार्यक्रम के सिलसिले में दिल्ली जाना पड़ा, जिसके कारण वह पेशी पर उपस्थित नहीं हो सके।

2017 में दर्ज हुआ था केस

यह मामला वर्ष 2017 का है, जब धार्मिक संगठन 'अखंड कीर्तनी जत्था' के प्रवक्ता राजिंदर पाल सिंह ने बादल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। आरोप है कि सुखबीर बादल ने संगठन के खिलाफ मीडिया में कथित तौर पर विवादित बयान दिए थे, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा।अब अदालत में इस मामले की सुनवाई जारी है और सभी की नजर अगली तारीख पर टिकी हुई है।

दाखा और सिद्धवां बेट से दो युवक नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/27/फरवरी। समाज से नशे का खात्मा करने के लिए लुधियाना देहाती पुलिस द्वारा चलाया गया विशेष अभियान लगातार रंग ला रहा है। अलग-अलग जगहों पर की गई सख्त नाकाबंदी और गश्त के दौरान थाना दाखा और थाना सिद्धवां बेट की पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो युवकों को नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पहला मामला: बिना नंबर की बाइक वाले युवक से 15 गोलियां बरामद (थाना दाखा)

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना दाखा के एएसआई कुलदीप सिंह अपनी पुलिस पार्टी के साथ संदिग्ध लोगों की चेकिंग के लिए रकबा टी-पॉइंट के पास गश्त कर रहे थे। रात उन्होंने एक युवक को बिना नंबर प्लेट वाली बाइक पर बैठे देखा। पुलिस को देखकर युवक घबरा गया। एएसआई कुलदीप सिंह ने मुस्तैदी दिखाते हुए साथी कर्मचारियों की मदद से उसे काबू कर लिया और तलाशी के दौरान उसके पास से 15 नशीली गोलियां बरामद हुईं।

दूसरा मामला: श्मशान घाट में ग्राहकों का इंतजार कर रहा तस्कर गिरफ्तार (थाना सिद्धवां बेट)

दूसरी कार्रवाई में थाना सिद्धवां बेट के हेड कांस्टेबल रमनदीप सिंह पुलिस पार्टी के साथ किशनपुरा चौक पर मौजूद थे। इसी दौरान एक खास मुखबिर ने गुप्त सूचना दी कि हरजिंदर सिंह उर्फ हनी (पुत्र तरसेम सिंह, निवासी गांव कनीयां हुसैनी), जो नशा बेचने का आदी है, सिद्धवां बेट के श्मशान घाट में बैठकर ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। पुलिस पार्टी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए श्मशान घाट में रेड की और हरजिंदर सिंह को नशीली गोलियों सहित मौके पर ही दबोच लिया। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में मामले दर्ज कर आगे की पूछताछ शुरू कर दी गई है ताकि नशे के इस नेटवर्क के अन्य संपर्कों का पर्दाफाश किया जा सके।

पोल्ट्री फार्म चौक के पास रेलवे ब्रिज के नजदीक गंदगी का अंबार, सफाई की उठी मांग

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। पोल्ट्री फार्म चौक से चंडीगढ़ रोड स्थित रेलवे ब्रिज के पास और इंडस्ट्रियल एरिया फेज की ओर जाने वाले मार्ग पर फैली गंदगी को लेकर स्थानीय लोगों में रोष है। सड़क किनारे भारी मात्रा में जमा कूड़ा-कबाड़ से क्षेत्र की स्थिति बेहद दयनीय बनी हुई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार

कई दिनों से यहां नियमित सफाई नहीं हुई है। खुले में पड़े कचरे से उठ रही दुर्गंध के कारण राहगीरों, दुकानदारों और औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यह हालात जनस्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकते हैं।

प्रमुख मार्ग पर बदहाल हालात

यह मार्ग इंडस्ट्रियल एरिया की ओर जाने वाला प्रमुख रास्ता है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में वाहनों और लोगों की आवाजाही रहती है। बावजूद इसके, सड़क किनारे कूड़े के ढेर प्रशासन की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

4th Year Anniversary
RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM
यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India
FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 47 | SATURDAY 28-02-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

मां संग खेत गए बच्चे को 5 कुत्तों ने नोच-नोचकर मार डाला, शरीर के हर हिस्से पर काटा, पिता ने छुड़वाया

पंजाब/यूटर्न/27 फरवरी। जालंधर में 5 कुत्तों के झुंड ने 6 साल के बच्चे को नोच-नोचकर मार डाला। वह अपनी मां के साथ खेत पर पिता को खाना देने गया था। जहां बच्चा शौच के लिए खेत में चला गया। इसी दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। इस दौरान कुत्तों ने उसके सिर पर सबसे ज्यादा नोचा, इसके अलावा शरीर के अन्य हिस्सों पर भी काट लिया। बेटे के चिल्लाने की आवाज सुनकर माता-पिता भागे और बेटे को कुत्तों के चंगुल से छुड़वाया। इसके बाद वे तुरंत ही बच्चे को गंभीर हालत में इलाज के लिए सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान 6 वर्षीय इतवारी के नाम से हुई, जो सुल्तानपुर लोधी, गिला गाखला में माता-पिता के साथ रहता था।

जबकि परिवार मूलरूप से यूपी के बहराइच जिले का रहने वाला है। वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान था।

मां के साथ पिता को खाना देने गया था बेटा

मृतक बच्चे के पिता मुनेजर ने बताया कि वह खेतों में आलू की बुआई कर रहे थे। दोपहर में पत्नी के साथ बेटा खाना देने के लिए आया था। जिसके बाद बेटे ने शौच जाने के लिए कहा और और वह खेत में चला गया, वहां पर बेटे पर 5 से 6 कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। इस दौरान कुत्तों ने उसके शरीर के हर अंग पर काटा, बेटे के चिल्लाने की आवाज सुनकर भागे और बेटे को कुत्तों के चंगुल से बचाया। बच्चा खून से लथपथ था और बेहोश हो गया था। गंभीर हालत में बेटे को तुरंत इलाज के लिए जालंधर सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृतक घोषित कर दिया।

परिवार का इकलौता बेटा था मृतक

बच्चे के चाचा ने बताया कि हम लोग खेत में काम कर रहे थे। इस दौरान हम खाना खाने के लिए चले गए और बच्चा शौच के लिए खेत में चला गया। जहां उसे कुत्तों ने घेर लिया और नोच दिया। बच्चे के रोने की आवाज सुन उसे कुत्तों से छुड़वाया और सुल्तानपुर लोधी ले गए। वहां से डॉक्टरों ने उसे सिविल अस्पताल जालंधर रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चा माता-पिता की इकलौती संतान था।

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस का विशेष जागरूकता अभियान

स्कूल-कॉलेज छात्रों को दी रोड सेफ्टी और इमरजेंसी केयर की ट्रेनिंग

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। युवाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने शहर और मोहाली के स्कूलों व कॉलेजों में विशेष अभियान चलाया। यह कार्यक्रम वैल्यू लाइफ फाउंडेशन और सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया। अभियान का आयोजन यूटी चंडीगढ़ के डीजीपी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा के नेतृत्व और आईजी पुष्पेंद्र कुमार व एसएसपी (सिक्योरिटी एवं ट्रैफिक) सुमेर प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। इसकी निगरानी डीएसपी ट्रैफिक (आरएंडडी) श्री प्रकाश ने की।

800 से अधिक छात्रों ने लिया हिस्सा

रोड सेफ्टी जागरूकता सत्र श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज फॉर वीमेन, पंजाब यूनिवर्सिटी के सेक्टर-26 स्थित कॉलेज परिसर, पुलिस प्रशासनिक ब्लॉक सेक्टर-12 और मोहाली के दोबा ग्रुप ऑफ कॉलेजस में आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 800 से अधिक छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की। छात्रों को सड़क सुरक्षा के अहम पहलुओं, जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों और 'गुड सेमेरिटन' कानून की जानकारी दी गई।

स्कूल स्तर पर भी जागरूकता

इसी क्रम में अंकुर पब्लिक स्कूल में प्रात:कालीन सभा के दौरान विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों, आईएसआई मार्क हेलमेट के महत्व और सुरक्षित सड़क व्यवहार के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान रोड सेफ्टी क्विज में सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को 'रोड सेफ्टी ट्रॉफी' देकर सम्मानित किया गया। चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क की प्रभारी इंस्पेक्टर डॉ. पर्वेश शर्मा और उनकी टीम ने मोटर व्हीकल एक्ट में 1 सितंबर 2019 से लागू संशोधनों, सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स और ड्राइविंग रेगुलेशंस की जानकारी दी।

'जीरो एक्सीडेंट डेथ सिटी' का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई और ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करने का आह्वान किया गया।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Partition Suit कब दायर किया जाता है? और किन परिस्थितियों में आवश्यक होता है?

जब एक संपत्ति पर कई लोगों का अधिकार हो—जैसे भाई-बहन, पिता-पुत्र, या अन्य सह-मालिक—और आपसी सहमति से बँटवारा संभव न हो, तब कानून एक रास्ता देता है: Partition Suit. यह सिविल अदालत में दायर किया जाने वाला मुकदमा है, जिसका उद्देश्य संयुक्त संपत्ति को विधिक रूप से विभाजित करना है।

Partition Suit सामान्यत: तब आवश्यक होता है, जब:

- संपत्ति पैतृक (ancestral) हो और हिस्सेदारी पर विवाद हो।
- Intestate succession लागू हो और वारिस आपस में सहमत न हों।
- एक सह-मालिक संपत्ति बेचने या अपने हिस्से का उपयोग करने से रोका जा रहा हो।
- मौखिक बँटवारा हुआ हो, लेकिन रिकॉर्ड में दर्ज न हो।

अदालत पहले यह तय करती है कि कौन-कौन व्यक्ति वैधानिक हिस्सेदार (co-sharer) हैं और किसका कितना हिस्सा बनता है। इसके बाद "Preliminary Decree" पारित होती है, जिसमें हिस्सेदारी घोषित की जाती है। यदि संपत्ति का भौतिक विभाजन संभव हो, तो आगे "Final Decree" के माध्यम से वास्तविक बँटवारा कराया जाता है। यदि विभाजन संभव न हो, तो अदालत बिक्री का आदेश देकर राशि अनुपात में बाँट सकती है।

यह समझना जरूरी है कि Partition Suit लंबी प्रक्रिया हो सकती है। इसलिए यदि Family Settlement या आपसी समझौते से समाधान संभव हो, तो वह अधिक व्यावहारिक विकल्प माना जाता है।

निष्कर्ष: Partition Suit वह कानूनी साधन है, जब संयुक्त संपत्ति का विवाद आपसी सहमति से न सुलझे। अदालत हिस्सेदारी तय कर सकती है, लेकिन पारिवारिक संवाद अक्सर मुकदमे से बेहतर समाधान देता है। फिर भी, जहाँ अधिकार स्पष्ट रूप से रोके जा रहे हों, वहाँ Partition Suit प्रभावी उपाय है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

इस युद्ध के क्या मायने?

27 फरवरी को शुरू हुआ अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संघर्ष दक्षिण एशिया की राजनीति और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मायने रखता है। दोनों देशों के संबंध पहले से ही सीमा विवाद, आतंकवाद के आरोप और आपसी अविश्वास के कारण तनावपूर्ण रहे हैं। विशेष रूप से ड्यूरंड रेखा को लेकर मतभेद लंबे समय से चले आ रहे हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार का सैन्यटकराव क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बन सकता है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान और अफगान सरकार के संबंधों में नई जटिलताएँ पैदा हुई हैं। पाकिस्तान का आरोप रहा है कि उसकी सीमा के पास सक्रिय उग्रवादी समूहों को अफगान भूमि से समर्थन मिलता है, जबकि अफगान पक्ष इन आरोपों से इनकार करता है। 27 फरवरी को शुरू हुआ संघर्ष इसी बढ़ते अविश्वास और सुरक्षा चिंताओं का परिणाम माना जा सकता है। इस युद्ध के मायने केवल दोनों देशों तक सीमित नहीं हैं। इसका असर पूरे क्षेत्र की स्थिरता, व्यापार, शरणार्थियों की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पड़ सकता है। यदि तनावबढ़ता है, तो मुमकिन है कि और भी सुपर पावर इस युद्ध में अपनी दखल अंदाजी कर सकते हैं ऐसे में यह मानवीय संकट को भी जन्म दे सकता है। इसलिए आवश्यक है कि दोनों देश संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान खोजें, ताकि क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित हो।

स्वदेशी उत्पाद सस्ते व भारतीय वातावरण के अनुकूल : गौरव जिंदल / पीयूष कांत

स्वदेशी उत्पाद अपना कर निभाएं भारत माता के सच्चे सपूत होने का दायित्व : गोशा/ गोयल

लुधियाना, यूटर्न, 27 फरवरी। पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में आयोजित फोमराह स्वदेशी मेले में के सातवें दिन शुक्रवार अधिवक्ता सम्मेलन आयोजित हुआ। एडवोकेट राकेश भाटीया व सौरव कपूर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा के एडिशनल एडवोकेट जनरल गौरव जिन्दल बतौर मुख्यतिथि शामिल हुए। पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल पंजाब एडवोकेट पीयूष कांत जैन जी विशेष रूप पर उपस्थित रहे। एडिशनल एडवोकेट जनरल गौरव जिन्दल ने स्वदेशी मेले में लगे स्टालों पर बिक्री के लिए रखे भारतीय उत्पादों को आत्म निर्भर भारत की मजबूत नींव बताते हुए कहा स्वदेशी उत्पाद सस्ते व भारतीय वातावरण के अनुकूल सूती धागों से तैयार होते है। इसके विपरित विदेशी उत्पादों में पोलिएस्टर की मात्रा ज्यादा होने से शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित होते हैं। पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल पंजाब पीयूष कांत जैन ने कहा कि स्वदेशी उत्पादो को तरजीह देना समय की मांग है । पाएयू ग्राउंड में आयोजित स्वदेशी मेला भारत को विश्व पटल पर आर्थिक रूप में पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा। स्वदेशी अपनाने पर जोर देते हुए उन्होने कहा इससे देश की जीडीपी बढ़ेगी। मेला प्रमुख गुरदीप गोशा व स्वदेशी जागरण मंच के सह को-आडीर्नेटर मोहित गोयल ने कहा 1991 में इस स्वदेशी जागरण मंच के जन्म से लेकर मौजूदा समय तक किए स्वदेशी के प्रचार की जानकारी देते हुए जनमानस से आग्रह किया कि वह स्वदेशी उत्पाद अपना कर भारत माता के सच्चे सपूत होने का दायित्व निभाए व भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करें। इस अवसर पर संघ प्रचारक एडवोकेट विनय जी,रूबल सिंधी,मनदीप कौर,एडवोकेट नीना गुप्ता,एडवोकेट सौरव कपूर,हरसिमरत कौर,एडवोकेट ललिता जैन,एडवोकेट ऋषि शर्मा,मनीष वर्मा,मनोज कुमार मदान,सर्बजीत कलसी,चरणप्रीत सेखो,परमवीर सिंह,विजय शर्मा,सुखलीन कौर,सिमरनदीप कौर,रोज करीर,लिजा गोयल नितन्द्र कौर,तान्या शर्मा,सान्या बंसल,शगुन,खुशमीत कौर,एडवोकेट निधि भनोट व अन्य भी उपस्थित थे ।

जन आंदोलन बना Re Live फेस्ट, हर वर्ग इस यज्ञ में भाग लेने को उत्साहित

लुधियाना/यूटर्न/27 फरवरी। लुधियाना में जान हितैषी चैनल और यूटर्न टाइम्स अखबार की ओर से लोधी क्लब में 1 मार्च 2026 को री-लिव फेस्ट आयोजित किया जा रहा है, जिसका नारा है -'जिंदगी के बाद भी जिंदगी।' इस फेस्ट का मुख्य उद्देश्य लोगों में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है और उन्हें यह बताना है कि इस दुनिया से जाने के बाद भी वे अपने अंग दान करके 8 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पूरे लुधियाना वासियों को आमंत्रित किया गया है। इस फेस्ट में आम लोगों के साथ-साथ राजनेता, कारोबारी, विद्यार्थी, युवा और बुजुर्ग हर वर्ग के लोग हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान डीएमसी के वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम द्वारा लोगों को अंगदान के बारे में जानकारी दी जाएगी, उनके सभी सवालों के जवाब दिए जाएंगे और अंगदान से जुड़े मन में मौजूद भ्रमों को दूर करने की कोशिश की जाएगी।यह फेस्ट 1 मार्च 2026, दिन रविवार को लुधियाना के लोधी क्लब में आयोजित होगा, जिसका समय सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं

इस फेस्ट में शामिल होने के लिए रालसन ग्रुप के संजीव पाहवा ने लोगों से अपील की है कि सभी को इस फेस्ट में अवश्य भाग लेना चाहिए। उनका कहना है कि इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं होता और ऐसे कार्य दुनिया में मानवता को जीवित रखते हैं। हर व्यक्ति को इस इंसानियत के यज्ञ में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

हमारी एक कोशिश, दूसरों के लिए जिंदगी

लुधियाना इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन तरसेम सिंह भिंडर ने लोगों से अपील की है कि 1 मार्च को अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर इस फेस्ट में शामिल हों और यह जानें कि हम इस दुनिया से जाने के बाद भी किसी इंसान की जिंदगी संवार सकते हैं तथा उसे जीने का नया उद्देश्य दे सकते हैं।

लोगों के लिए प्रेरणादायक मंच

सीनियर वकील एडवोकेट बिक्रम सिद्धू ने कहा कि यह जन आंदोलन लोगों के लिए एक प्रेरणादायक मंच है, जहां इंसानियत और सेवा का वास्तविक अर्थ समझ आता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

युवाओं से खास अपील

इंटीरियर्स ऑफ चेंज संस्था के संस्थापक गौरवदीप सिंह ने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि समाज की प्रगति के लिए सामूहिक प्रयास बेहद जरूरी हैं। ऐसे आयोजन सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत बनाते हैं।

शहरवासियों में दिखा उत्साह

इस अवसर पर डीएमसी अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम की ओर से एक मेडिकल कैंप भी लगाया जाएगा, जहां बिना किसी शुल्क के लोगों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच की जाएगी। साथ ही रक्तदान शिविर भी आयोजित किया जाएगा। लुधियाना में आयोजित होने जा रहे Re-Live फेस्ट को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस अनोखे आयोजन के माध्यम से अंगदान, रक्तदान और स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। शहर की कई प्रमुख हस्तियों ने लोगों से इस नेक पहल का हिस्सा बनने की अपील की है।

बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दें

भाजपा के वरिष्ठ नेता जीवन गुप्ता ने कहा कि ऐसे प्रयास हमारी संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। प्रत्येक नागरिक को समाजसेवा के कार्यों से जुड़कर एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए।

भाईचारे व सामाजिक एकता होगी मजबूत

भाजपा लुधियाना के जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान ने कहा कि ऐसे फेस्ट समाज में आपसी भाईचारे और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करते हैं। यह लोगों को एक मंच पर लाकर सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाते हैं।

यह एक नेक कार्य

व्यवसायी चरणजीत सिंह विश्वकर्मा ने लोगों से अपील की कि उन्होंने स्वयं अंगदान के लिए पहले ही पंजीकरण करवा रखा है क्योंकि यह एक बहुत ही नेक कार्य है। उन्होंने समाज के अन्य लोगों से भी आगे आकर इसमें भाग लेने की अपील की।

ऐसे प्रयास समाज में जरुरी

फेस्ट को सफल बनाने के लिए भाजपा नेता लीना टपारिया ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे प्रयास बेहद जरूरी हैं। यह फेस्ट केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में सहयोग और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। युवाओं को विशेष रूप से इससे जुड़ना चाहिए।

सेवा व इंसानियत का संदेश

पंजाब महिला आयोग की सदस्य अजिंदरपाल कौर ने कहा कि इस पहल से समाज में सेवा और इंसानियत का संदेश फैलता है। ऐसे आयोजन लोगों को एकजुट कर समाज भलाई के कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। हर व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार इसमें भाग लेना चाहिए।

समाज में अच्छे कार्य करने की प्रेरणा

कांग्रेस नेता पंकज शर्मा काका ने कहा कि यह फेस्ट समाज में एकता और इंसानियत का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे अवसर लोगों को जोड़ने के साथ-साथ समाज के लिए कुछ अच्छा करने की प्रेरणा भी देते हैं।

इंसानियत की सेवा सबसे बड़ी सेवा

फिक्की फ्लो की चेयरपर्सन श्वेता जिंदल ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इंसानियत की सेवा सबसे बड़ी सेवा है और ऐसे कार्यक्रम इस सोच को मजबूत करते हैं। समाज के हर वर्ग को साथ लाने वाले ये आयोजन सामाजिक एकता की मिसाल हैं।

एक दूसरे की मदद का संदेश

कांग्रेस नेता सनी भल्ला ने कहा कि ऐसे आयोजन लोगों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं और उन्हें अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। यह फेस्ट एक-दूसरे की मदद करने का संदेश देता है।

यह फेस्ट इंसानियत का यज्ञ

लुधियाना Re Live फेस्ट को समर्थन देने वाले अंसल वेल्थ के मालिक एस.एस. खुराना ने कहा कि यह फेस्ट इंसानियत का यज्ञ है और इसमें आहुति देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की।

हॉकी ओलंपियन ने किया खालसा कॉलेज फॉर विमेन के 65वें सलाना एथलेटिक्स मीट का शुभारंभ

लुधियाना/यूटर्न/27 फरवरी। खालसा कॉलेज फॉर विमेन, सिविल लाइंस, लुधियाना ने 27 फरवरी, 2026 को दो दिन के वार्षिक एथलेटिक मीट का उद्घाटन किया। मशहूर हस्ती सीनियर दिलप्रीत सिंह, अर्जुन अवॉर्डी, हॉकी ओलंपियन, डीएसपी, पंजाब पुलिस, इस इवेंट में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए और मिस्टर वरुण कुमार, अर्जुन अवॉर्डी, हॉकी ओलंपियन और रवनीत सिंह, इंटरनेशनल हॉकी प्लेयर गेस्ट ऑफ ऑनर थे। डायरेक्टर डॉ. मुक्ति गिल, प्रिंसिपल डॉ. कमलजीत ग्रेवाल और विद्यार्थियों ने कॉलेज कैंपस में मेहमानों के आने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मीट की शुरूआत विद्यार्थियों के मार्च पास्ट से हुई। मौके पर मौजूद अतिथि ने मार्च पास्ट की सलामी लेकर और झंडा फहराकर एथलेटिक मीट के उद्घाटन की घोषणा की। सहनशक्ति, प्रतिस्पर्धी भावना और सटीकता का एक अनूठा प्रदर्शन किया गया क्योंकि प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल आयोजनों में अपना सर्वश्रेष्ठ साबित करने का प्रयास किया जिसमें 50 मीटर दौड़, भाला फेंक, गोला फेंक, ऊंची कूद, स्पूनपोटैटो रेस, लंबी कूद, तीन पैरों वाली दौड़ आदि शामिल थे। पूरा दिन रोमांचक जीत से भरा था।

Uturn Time 28 Feb 2026_Layout 2 27-02-2026 23:35 Page 8

डड्डूमाजरा में युवक पर तेजधार हथियारों से हमला, 9 दिन बाद आरोपी गिरफ्तार; परिवार ने पुलिस समझौते का दबाव बनाने का लगाया आरोप!

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। चंडीगढ़ के डड्डूमाजरा कॉलोनी क्षेत्र में एक युवक पर तेजधार हथियारों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के नौ दिन बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं घायल युवक के परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाई में देरी और समझौते का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना 18 फरवरी की रात करीब 9:30 बजे की है। घायल अक्षय कुमार के भाई नीरज ने बताया कि अक्षय कॉलोनी के पार्क में बैठा हुआ था। इसी दौरान साधु नामक युवक अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि उनके हाथों में तेजधार हथियार थे और आते ही उन्होंने अक्षय पर

हमला कर दिया।

हमले में अक्षय के सिर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायल अक्षय को तुरंत सेक्टर-16 स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, अक्षय

के सिर पर गहरी चोट आई थी, जिस पर नौ टांके लगाए गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और घायल के बयान दर्ज किए। नीरज की शिकायत के आधार पर पुलिस ने साधु, अजय और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। करीब नौ दिन बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी साधु को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि मामले में नामजद अन्य आरोपी अभी भी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

इस बीच घायल के भाई नीरज ने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में जानबूझकर देरी कर रही थी और उन पर समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा था। उनका कहना है कि जब परिवार ने सख्त रुख अपनाया और उच्च अधिकारियों से शिकायत की बात कही, तब जाकर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। वहीं संबंधित चौकी इंचार्ज सूर्य प्रकाश ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और एक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पीजीआई में मानवता की मिसाल 36 वर्षीय दविंदर ने बचाईं चार जिंदगियां, दो को दी नई रोशनी

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। पीजीआई में मानवता की मिसाल 36 वर्षीय डेविंदर सिंह ने बचाईं चार जिंदगियां, दो को दी नई रोशनी रूपनगर (पंजाब) के 36 वर्षीय डेविंदर सिंह के परिवार ने उनके ब्रेन डेड घोषित होने के बाद अंगदान का निर्णय लेकर चार लोगों को नई जिंदगी और दो को नई रोशनी दी। इस प्रेरणादायक कदम से कुल छह लोगों का जीवन सीधे तौर पर प्रभावित हुआ है। डेविंदर सिंह, गांव सोलखियां, तहसील व जिला रूपनगर (पंजाब) के निवासी थे और पेशे से निजी कार्य करने वाले इलेक्ट्रिशियन थे। 21 फरवरी 2026 को उनका मोटरसाइकिल से एक्सीडेंट हो गया, जब उनकी बाइक को एक स्कूटी ने टक्कर मार दी। उन्हें पहले सिविल अस्पताल, रोपड़ ले जाया गया और बाद में गंभीर सिर की चोटों के चलते पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया। डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद 25 फरवरी को उन्हें ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमन ऑर्गन्स एंड टिश्यूज एक्ट के प्रावधानों के अनुसार ब्रेन स्टेम डेड घोषित किया गया।

परिवार ने लिया साहसिक निर्णय

ब्रेन स्टेम डेथ की पुष्टि के बाद पीजीआई के ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर्स ने परिवार को अंगदान के बारे में संवेदनशीलता के साथ जानकारी दी। गहरे दुख के बावजूद उनकी पत्नी गुरप्रीत कौर और पिता अमर सिंह ने सभी अंग और ऊतक दान करने की सहमति दी। पीजीआई के निदेशक प्रोफेसर विवेक लाल ने परिवार के इस निर्णय को नमन करते हुए कहा,₹अकल्पनीय दुख की घड़ी में इस परिवार ने मानवता को चुना। डेविंदर सिंह का अंगदान केवल एक चिकित्सीय प्रक्रिया नहीं,

बल्कि आशा की अमर विरासत है। प्रत्येक दान किया गया अंग किसी के लिए नई जिंदगी, किसी परिवार के लिए नई उम्मीद है।₹

अंगों का सफल प्रत्यारोपण

अंगदान के तहत फेफड़े, लिवर, अग्न्याशय (पैंक्रियास), दोनों किडनी और कॉर्निया निकाले गए। लिवर को (आईएलबीएस), दिल्ली भेजा गया, जहां 54 वर्षीय मरीज में सफल प्रत्यारोपण किया गया। फेफड़े गुरुग्राम स्थित ऑप्टिमस हॉस्पिटल में 72 वर्षीय मरीज को प्रत्यारोपित किए गए।

दोनों अंगों को समय पर पहुंचाने के लिए क्रमशः स्पाइसजेट और एयर इंडिया की उड़ानों के माध्यम से एयरलिफ्ट किया गया।

पीजीआई में ही 29 वर्षीय मरीज का एक साथ पैंक्रियास-किडनी प्रत्यारोपण (एसपीके) किया गया। 37 वर्षीय मरीज को दूसरी किडनी प्रत्यारोपित की गई।

दान की गई कॉर्निया से दो व्यक्तियों की

दृष्टि बहाल की जाएगी। पीजीआई के मेडिकल सुपरिटेंडेंट एवं रोटो (नॉर्थ) के नोडल अधिकारी प्रोफेसर विपन कौशल ने बताया कि ब्रेन स्टेम डेथ प्रमाणन से लेकर अंगों की निकासी, आवंटन, एयर ट्रांसपोर्ट और प्रत्यारोपण तक हर प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता और सम्मान के साथ की गई।ॢदुख में भी जीवन चुनेंॢ शोकाकुल पिता अमर सिंह ने भावुक शब्दों में कहा,₹कोई भी पिता अपने जवान बेटे की अर्थी नहीं उठाना चाहता। हम अपने बेटे को नहीं बचा सके, लेकिन दूसरों को जिंदगी दे सके — यही हमारे लिए संतोष है।₹पत्नी गुरप्रीत कौर ने कहा,₹वह सिर्फ 36 साल के थे, सपनों से भरे हुए। जब हमें बताया गया कि वे वापस नहीं आएंगे, तो सब कुछ थम गया। लेकिन हमने सोचा — अगर वे हमारे साथ नहीं रह सकते, तो दूसरों में जीवित रहें।₹ विशेषज्ञों के अनुसार, एक अंगदाता आठ तक लोगों की जान बचा सकता है और कई अन्य के जीवन में सुधार ला सकता है। डेविंदर सिंह के परिवार के इस साहसिक निर्णय ने यह साबित कर दिया कि गहरे शोक में भी मानवता की रोशनी बुझती नहीं, बल्कि और अधिक चमकती है।

प्रेमिका के परेशान करने पर 19 साल के युवक ने फंदा लगा की खुदखुशी, लड़की पर मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/27 फरवरी। साहनेवाल की मक्कड़ कॉलोनी में एक किराएदार युवक ने मकान मालिक की बेटी से परेशान होकर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान आर्यन

यादव (19) के रूप में हुई है। थाना साहनेवाल की पुलिस ने मृतक की मां सुनीत के बयानों के आधार ज्योति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

शिकायतकर्ता सुनीता ने बताया कि वह मक्कड़ कॉलोनी किराए के मकान में रहती है। उसके बेटे आर्यन के संबंध मकान मालिक मालिक मुकेश सिंह की बेटी ज्योति के साथ थे। सुनीता के अनुसार ज्योति उसे काफी समय से परेशान कर रही थी। बीते 24 फरवरी को वह रोजाना की तरह काम पर फैक्ट्री गई हुई थी और उसका बेटा आर्यन घर पर अकेला था। दोपहर के वक्त फैक्ट्री के फोरमैन राकेश ने सुनीता को सूचना दी कि उसके बेटे की तबीयत खराब है वह तुरंत घर पहुंचे। जब सुनीता घर पहुंची तो बेटा फंदे से लटक रहा था।

सेक्टर वासियों के हितों के लिए एकजुट हुई आरडब्ल्यूए हाउसिंग बोर्ड नोटिसों पर रणनीति तैयार

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। सेक्टर 29 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष श्री नरेश अरोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें हाउसिंग बोर्ड द्वारा भेजे जा रहे नोटिसों को लेकर सेक्टर वासियों में व्याप्त चिंता पर गंभीर चर्चा की गई। अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि किसी भी नागरिक के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों से सामूहिक रूप से मिलकर समाधान निकाला जाएगा। बैठक में सेक्टर की मूलभूत समस्याएँ पानी, सफाई, सुरक्षा, पार्कों का रख-रखाव तथा स्ट्रीट लाइट आदि मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष श्री दविंदर बबला ने भी भाग लिया और जनहित के मुद्दों पर पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य नरेश कोहली, नलिन जैन, अरुण कुमार, आशीष वर्मा, ब्रिज मोहन खत्री, जोगिंदर सिंह, दर्शन कुमार, होशियार सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे और सभी ने खुलकर अपने विचार रखे। अंत में अध्यक्ष ने कहा कि आरडब्ल्यूए सेक्टर वासियों की आवाज बनकर उनके अधिकारों और सुविधाओं के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी।

करन औजला दिल्ली शो में हिट सॉन्ग नहीं गा पाएंगे, चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट का आयोजकों को नोटिस

पंजाब/यूटर्न/27 फरवरी। पंजाबी सिंगर करन औजला दिल्ली में ह्यपी पॉप कल्चर इंडिया टूरह्व से पहले मुश्किल में फंस गए हैं। औजला इस शो में अपने कई हिट सॉन्ग नहीं गा पाएंगे। वो यहां अपने कई हिट गाने जैसे ह्यअधियाह्व, ह्यचिट्टा कुर्ताह्व, ह्यएल्कोहल 2ह्व, ह्यफ्यू डेह्व और ह्यबंदूकह्व पर परफॉर्म करने वाले थे। दरअसल, साउथ ईस्ट दिल्ली की चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट ने औजला के गानों को लेकर शो के आयोजकों को नोटिस जारी किया है। नोटिस में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा गया कि लाइव शो में शराब और ड्रग को ग्लोरिफाई करने वाले गाने नहीं गाने चाहिए।इस संबंध में चंडीगढ़ के प्रोफेसर धरनेरव राव ने एक आवेदन दायर किया था। उन्होंने मांग की थी कि ऐसे गानों से शराब की

खपत, ड्रग्स के इस्तेमाल, गन कल्चर और महिलाओं के प्रति असम्मान को बढ़ावा मिलता है, इसलिए इन पर रोक लगाई जानी चाहिए।

गानों में ड्रग-गन कल्चर को बढ़ावा देने की बात

दरअसल, शिकायतकर्ता चंडीगढ़ के प्रोफेसर धरनेरव राव ने आरोप लगाया है कि करण औजला के गाने शराब की खपत, ड्रग्स एब्यूज, गन कल्चर को ग्लोरिफाई करते हैं और महिलाओं के प्रति अपमान को दिखाते है।

इसके बाद यह नोटिस जारी हुआ है। नोटिस में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के 22 जुलाई 2019 के फैसले (CWP No. 6213 of 2016) का हवाला दिया गया है। जिसमें स्पष्ट निर्देश हैं कि पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में कोई भी लाइव शो या इवेंट में शराब, ड्रग्स, हिंसा को ग्लोरिफाई करने वाले गाने नहीं बजाए/गाए जाएं। कोर्ट ने डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को इसकी सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के आदेश दिए थे।

व्यापारी और कर्मचारी को फार्म हाउस पर गोलियां मार की हत्या, एक की लाश कुर्सी पर मिली

पंजाब/यूटर्न/27 फरवरी। मानसा में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे एक व्यापारी और उनके मुलाजिम की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना उनके फार्म हाउस पर हुई। पुलिस ने मामले की जांच

शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान व्यापारी जसवीर सिंह और उनके मुलाजिम बलदेव सिंह के रूप में हुई है। घटनास्थल पर पहुंचे मानसा के एसएसपी भागीरथ सिंह मीणा ने बताया कि दो लोगों की हत्या की गई है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर हर पहलू से साक्ष्य जुटा रही है। मृतक जसवीर सिंह के चाचा सतपाल सिंह ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 10 बजे इस घटना की जानकारी मिली। उन्होंने पुलिस से आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है।

सरबजीत केस से चर्चा में आए वकील को बड़ी जिम्मेदारी, आईएचआरसी का को-चेयरमैन बनाया

पंजाब/यूटर्न/27 फरवरी। पाकिस्तान के लाहौर हाईकोर्ट ने पंजाबी महिला सरबजीत कौर के मामले में विरोध पक्ष के एडवोकेट अली चंगेजी संधू को साल 2026 के लिए इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कमेटी (आईएचआरसी) का को-चेयरमैन नियुक्त किया है। अली चंगेजी संधू को कल यानी 26 फरवरी को नियुक्त पत्र दिया गया। जबकि यह नियुक्ति 24 सितंबर 2025 से लागू मानी गई है। यह सम्मान उन्हें सरबजीत कौर के मामले में उनके साहसी और बेहतरीन कानूनी काम के लिए दिया गया। सरबजीत कौर के पति की तरफ से भी एडवोकेट अली चंगेजी संधू ने हाईकोर्ट में सरबजीत की शादी

रद्द करने की याचिका लगाई थी। यह दलील दी गई थी कि सरबजीत कौर ने पहले विवाह से तलाक नहीं लिया था, फिर इस्लाम कबूल कर पाकिस्तानी नागरिक से शादी की, जो पाकिस्तानी/इस्लामी कानून के तहत वैध नहीं है।

प्रो बोनो सेवाओं से बनाई अलग पहचान

जानकारी के अनुसार, संधू लॉ फर्म इंटरनेशनल के सीईओ के रूप में उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मामलों में प्रो बोनो (फ्री) सेवाएं प्रदान कीं, जो उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती हैं। मानव तस्करी, रेप, महिला अधिकार, पशु अधिकार और अन्य उच्च-प्रोफाइल मामलों में भी उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया है। लाहौर हाईकोर्ट के सचिव फरुख इलियास चीमा और एग्जीक्यूटिव कमेटी के चेयरमैन एडवोकेट उसामा राठौर ने उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किया। यह सम्मान उनके मानवीय और पेशेवर योगदान की आधिकारिक स्वीकृति है।

पुलिसकर्मियों की हत्या की जांच सीबीआई करे, सांसद रंधावा ने केंद्रीय गृहमंत्री को लिखा पत्र

पंजाब/यूटर्न/27 फरवरी। गुरदासपुर के सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आदिया गोलीकांड में हुए एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने इस मामले की केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। पुत्र में उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की बात कही है। कुछ दिन पहले गुरदासपुर के आदियां गांव में पुलिस चौकी के अंदर दो पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के एक आरोपी रणजीत सिंह का 25 फरवरी को एनकाउंटर किया गया था। इसपर पर सांसद रंधावा ने अपनी आपत्ति जताई है। सांसद रंधावा ने अपने पत्र में गृह मंत्री अमित शाह से तत्काल केंद्रीय हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यह मामला सुरक्षा में गंभीर चूक से जुड़ा है। इस मामले की निष्पक्ष, स्वतंत्र और समयबद्ध जांच किसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जानी चाहिए। पत्र में सीमावर्ती सुरक्षा व्यवस्था की उच्च स्तरीय समीक्षा और दोषियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया है। रंधावा ने कहा कि इससे सच्चाई सामने आएगी, शहीद कर्मियों को न्याय मिलेगा और सीमावर्ती क्षेत्र में जनता का विश्वास फिर से स्थापित हो सकेगा।

डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ फायरिंग केस में नया मोड़

'मैं लॉरेंस को जानता ही नहीं', चश्मदीद गवाह बयान से पलटा

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। सेक्टर-10 स्थित डीएवी कॉलेज से जुड़े 14 साल पुराने मारपीट और हत्या के प्रयास के बहुचर्चित मामले में सुनवाई के दौरान बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। जिला अदालत में चल रहे ट्रायल के बीच एक अहम चश्मदीद गवाह अपने पहले दिए बयान से मुकर गया है। शिकायतकर्ता का साथी और प्रत्यक्षदर्शी बताए गए नवनीत सिंह ने अदालत में स्पष्ट कहा कि वह गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को न तो जानता है और न ही पहचानता है। गवाह के इस रुख से अभियोजन पक्ष को झटका लगा है और केस ने नया मोड़ ले लिया है।बचाव पक्ष के अधिवक्ता हरीश भारद्वाज के अनुसार आरोपी की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करवाई गई।

कई आरोपी पहले ही हो चुके बरी

इस मामले में पहले ही सबूतों के अभाव और गवाहों के बयान से मुकर जाने के चलते निचली अदालत छह आरोपि अमनदीप सिंह, मुल्तानी, तरसेम सिंह और रणजोत सिंह समेत अन्य को बरी कर चुकी है। अब केस में

केवल लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ ही ट्रायल जारी है। उसे पूर्व में अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। वर्ष 2022 में उसके खिलाफ आरोप तय किए गए थे, जिसके बाद से मामले में सुनवाई चल रही है।

स्टार नाइट में भड़का था विवाद

घटना वर्ष 2012 की है, जब पंजाब यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति से जुड़े दो गुटों के समर्थकों के बीच विवाद हुआ था। शिकायतकर्ता अंकित ग्रोवर के मुताबिक वह अपने साथियों के साथ पंजाब यूनिवर्सिटी गए थे, जहां पूसू (पंजाब यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन) के नेता जीवनजोत चहल को चेयरमैन घोषित किया गया था। इसके बाद सभी सेक्टर-10 स्थित डीएवी कॉलेज में आयोजित ह्यस्टार नाइटह्व कार्यक्रम में पहुंचे। आरोप है कि वहां दूसरे गुट के छात्रों ने झगड़ा शुरू कर दिया। इस दौरान फायरिंग हुई और डंडों व तेजधार हथियारों से हमला किया गया। कई छात्र घायल हुए। पूसू से जुड़े चरनदेव सिंह को गोली लगने की बात भी सामने आई थी।

घटना के बाद सेक्टर-3 थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया था। अब चश्मदीद गवाह के बयान से पलटने के बाद यह देखना अहम होगा कि अदालत में अभियोजन पक्ष आगे क्या रणनीति अपनाता है और केस किस दिशा में बढ़ता है।

Uturn Time 28 Feb 2026_Layout 2 27-02-2026 23:35 Page 10

हरियाणा: 18 महीने से बुजुर्ग डॉक्टर ने नहीं बदले कपड़े, करनाल में अपने घर से रेस्क्यू किया गया

चंडीगढ़/यूटर्न/27 फरवरी। हरियाणा से एक परेशान करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बुजुर्ग आदमी को एक सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन ने उसके घर से रेस्क्यू किया, जहां वह महीनों से बहुत खराब और बिगड़ती हालत में अकेले रह रहा था। रेस्क्यू का एक वीडियो ऑनलाइन सामने आया है और इसने कई लोगों को हैरान कर दिया है। यूजर्स सवाल कर रहे हैं कि इतने लंबे समय तक ऐसी स्थिति पर किसी का ध्यान कैसे नहीं गया।

घर से रेस्क्यू किए गए बुजुर्ग डॉक्टर

इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक लोकल सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन ने एक बुजुर्ग होम्योपैथिक डॉक्टर को रेस्क्यू किया, जो मीरा घाटी चौक के पास अपने घर पर बहुत खराब हालत में अकेले रह रहे थे। अपना आशियाना ऑर्गनाइजेशन के मेंबर राज कुमार अरोड़ा ने कहा कि हालांकि वह आदमी एक अच्छे-खासे परिवार से था, लेकिन समय के साथ उसकी हालत काफी खराब हो गई थी।

जब ऑर्गनाइजेशन ने उनकी पत्नी से कॉन्टैक्ट किया, जो अपनी दो बेटियों के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहती हैं, तो उन्होंने कथित तौर पर उन्हें बताया कि उनके पति की मेंटली स्टेबल हालत ठीक नहीं है और उन्होंने आइसोलेशन में रहने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी बताया कि सेक्टर 7 में उनके घर पर उनकी देखभाल के लिए एक अटेंडेंट रखा गया है। लेकिन कहा जाता है कि उन्होंने वहां रहने से मना कर दिया और मीरा घाटी चौक के पास अपने घर में अलग रहने पर अड़े रहे।

खराब हालात में रहना

वायरल वीडियो में ऑर्गनाइजेशन के सदस्य बुजुर्ग आदमी को घर से बाहर ले जाते हुए दिख रहे हैं, जबकि पड़ोसी अपनी छतों से देख रहे हैं।वीडियो में बताई गई डिटेल्स के मुताबिक, उस आदमी ने लगभग डेढ़ साल से अपने कपड़े नहीं बदले थे। उसके कपड़ों और शरीर से तेज बदबू आ रही थी और घर की हालत बहुत गंदी और नजरअंदाज की हुई बताई गई थी। कई लोगों ने इस स्थिति पर दुख और गुस्सा दिखाया, एक यूजर ने कमेंट किया, माता-पिता से बड़ी कोई दौलत नहीं है। जान बचाने से लेकर करनाल में अपने ही घर में भुला दिए जाने तक यह सिर्फ नजरअंदाज नहीं है, यह एक नैतिक नाकामी है। विदेश में मिली सफलता का कोई मतलब नहीं है अगर वह घर पर इज्जत छोड़ दे। एक समाज का अंदाजा इस बात से लगाया जाता है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा बर्ताव करता है। बचाने के लिए धन्यवाद। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टर को अपना आशियाना में शिफ्ट कर दिया गया है जो बेघर लोगों के लिए एक शेल्टर होम है।

जज के नाम पर 30 लाख की रिश्वत कांड: बिचौलिए सतनाम सिंह को राहत नहीं, सीबीआई कोर्ट ने जमानत ठुकराई

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। बठिंडा में तैनात एक जज के नाम पर 30 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के बहुचर्चित मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। सीबीआई की विशेष अदालत ने मामले के कथित बिचौलिए सतनाम सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और इस चरण पर जमानत देना न्यायिक व्यवस्था में आम लोगों के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। बुटेरला निवासी सतनाम सिंह को सीबीआई ने 14 अगस्त 2025 को हाईकोर्ट के चर्चित वकील जतिन सलवान के साथ गिरफ्तार किया था। आरोप है कि दोनों ने बठिंडा की एक अदालत में चल रहे तलाक मामले में अनुकूल फैसला करवाने के नाम पर 30 लाख रुपये की मांग की थी।

अदालत की सख्त टिप्पणी

विशेष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया उपलब्ध साक्ष्य आरोपों की गंभीरता को दर्शाते हैं। ऐसे मामलों में जमानत देने से न्यायिक प्रणाली की साख पर प्रतिकूल

असर पड़ सकता है।

बचाव पक्ष की दलील

सतनाम सिंह की ओर से दायर जमानत अर्जी में दावा किया गया कि उसे साजिशन फंसाया गया है। बचाव पक्ष का कहना था कि आरोपी का कथित रिश्वत प्रकरण से कोई सीधा संबंध नहीं है और उसे बलि का बकरा बनाया जा रहा है।

सीबीआई का पक्ष

वहीं, सीबीआई ने अदालत को बताया कि सतनाम सिंह इस पूरी साजिश का सक्रिय हिस्सा था। एजेंसी के अनुसार रिश्वत की रकम उसी की गाड़ी से बरामद हुई, जो उसके बेटे के नाम पर रजिस्टर्ड है। जांच एजेंसी ने दलील दी कि आरोपी को मामले की पूरी जानकारी थी और वह सौदेबाजी की प्रक्रिया में शामिल था।

ऐसे खुला मामला

फिरोजपुर निवासी हरसिमरनजीत सिंह ने सीबीआई से शिकायत की थी कि उनकी चचेरी बहन का तलाक केस बठिंडा कोर्ट में लंबित है। इस सिलसिले में उनकी मुलाकात सेक्टर-15 निवासी एडवोकेट जतिन सलवान से हुई थी। शिकायत के मुताबिक सलवान ने कुछ जजों से करीबी संबंध होने का दावा करते हुए अनुकूल फैसला दिलाने के बदले 30 लाख रुपये की मांग की। शिकायत मिलते ही सीबीआई ने ट्रैप बिछाया और कथित सौदे के दौरान सलवान व सतनाम सिंह को गिरफ्तार कर लिया।मामले की अगली सुनवाई तय तारीख पर होगी, जबकि सीबीआई जांच को आगे बढ़ा रही है।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 16 लाख की ठगी, दो के खिलाफ मामला दर्ज

जीरकपुर, यूटर्न, 27 फरवरी। विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 16 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित हरविंदर पाल सिंह निवासी अनंता लाइफस्टाइल, जीरकपुर ने इस संबंध में एसएसपी मोहाली को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस जांच के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के प्रयासों से लंबित एमओयू साइन, गार्बेज कलेक्टर यूनियन ने जताया आभार

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। पिछले चार वर्षों से लंबित पड़े डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्टरों के एमओयू पर आखिरकार म्युनिसिपल कॉरपोरेशन द्वारा हस्ताक्षर कर दिए गए। इस अवसर पर डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्टर यूनियन के प्रधान धर्मवीर राणा और अन्य सदस्यों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा तथा सैनिटेशन कमेटी के अध्यक्ष मनोज सोनकर को पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गार्बेज कलेक्टर उपस्थित रहे। यूनियन सदस्यों ने कहा कि एमओयू लंबे समय से लंबित होने के कारण उन्हें प्रशासनिक और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समझौते के साइन होने से अब उनके कार्य, पारिश्रमिक और जिम्मेदारियों को लेकर स्पष्टता आएगी, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिलेगी।

प्रधान धर्मवीर राणा ने कहा कि गार्बेज कलेक्टर शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं और वे दिन-रात मेहनत कर चंडीगढ़ को स्वच्छ बनाए रखते हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से संवाद कर समाधान सुनिश्चित कराया। यूनियन ने सैनिटेशन कमेटी अध्यक्ष मनोज सोनकर की भूमिका की भी सराहना की। अंत में सभी ने शहर की स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

चंडीगढ़ में 'नो हैवी बैग' नियम लागू

बच्चों के वजन का 10% से ज्यादा नहीं होगा बस्ता, स्कूलों पर सख्त निगरानी

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। शहर में स्कूली बच्चों के भारी बस्तों को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। अब किसी भी छात्र का स्कूल बैग उसके शरीर के वजन के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकेगा। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों को सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं। निर्देशों के मुताबिक स्कूल अब विद्यार्थियों पर गाइड बुक, अतिरिक्त रेफरेंस बुक या अनावश्यक वर्कबुक नहीं थोप सकेंगे। केवल स्वीकृत सिलेबस में निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों से ही पढ़ाई कराई जाएगी।

हर पखवाड़े होगी बैग की जांच

आदेश के अनुसार प्रत्येक स्कूल में इस्कूल बैग मॉनिटरिंग कमेटीह्न गठित करना अनिवार्य होगा, जिसकी अध्यक्षता स्कूल प्रमुख करेंगे। कमेटी हर पंद्रह दिन में कम से कम एक बार छात्रों के बैग का वजन जांचेगी और उसका रिकॉर्ड लिखित रूप में सुरक्षित रखेगी।स्कूलों को टाइम-टेबल इस तरह तैयार करना होगा कि छात्रों को एक ही दिन में सभी विषयों की किताबें लाने की जरूरत न पड़े।

Uturn Time 28 Feb 2026_Layout 2 27-02-2026 23:35 Page 11

विजिलेंस ब्यूरो ने पटवारी को 10,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

बठिंडा, यूटर्न, 27 फरवरी। विजिलेंस ब्यूरो, पंजाब ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान जिला बठिंडा के कोट शमीर स्थित माल कार्यालय में तैनात पटवारी मनजोत सिंह को 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए आज यहां राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव कोट शमीर, जिला बठिंडा के एक निवासी

द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता अपने रिश्तेदार की पैतृक संपत्ति के इंतकाल के लिए संबंधित पटवारी से मिला था। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी पटवारी ने उसके रिश्तेदार की संपत्ति का इंतकाल करने के बदले 10,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत की मांग से संबंधित पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी।` शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने विजिलेंस ब्यूरो रेंज, बठिंडा से संपर्क कर शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस ब्यूरो ने जाल बिछाया और सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी पटवारी को शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया। इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध विजिलेंस ब्यूरो थाना बठिंडा में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

बठिंडा में 9 देसी पिस्तौल बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

बठिंडा, यूटर्न, 27 फरवरी। पुलिस थाना सिविल लाइन्स की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 देसी पिस्तौल सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मनिंदर सिंह उर्फ सरपंच पुत्र हरदीप सिंह निवासी गांव राजगढ़ कुब्बे, जिला बठिंडा के रूप में हुई है। माननीय एसएसपी बठिंडा श्रीमती ज्योति यादव बैंस, आईपीएस के दिशा-निदेशों तथा डीएसपी सिटी-2 श्री संदीप सिंह भाटी के मार्गदर्शन में इंस्पेक्टर रविंदर सिंह, एसएचओ सिविल लाइन्स के नेतृत्व में 26 फरवरी 2026 को पुलिस टीम गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। पुलिस पार्टी भागू रोड कैंट रिंग रोड के पास मौजूद थी, तभी मुखबिर ने एसआई कुलविंदर सिंह को सूचना दी कि खाकी कपड़े पहने एक युवक पिट्ठू बैग लेकर कैंट रिंग रोड की

ओर जा रहा है, जिसके पास अवैध हथियार हो सकते हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर दबिश दी। वहां एक पगड़ीधारी युवक पिट्ठू बैग के साथ खड़ा मिला, जो पुलिस को देखकर घबरा गया। तलाशी लेने पर उसके बैग से 8 देसी .32 बोर पिस्तौल खाली मैगजीन सहित और 1 देसी .30 बोर पिस्तौल दो खाली मैगजीन सहित बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पंजाब सचिवालय, स्कूलों और शताब्दी एक्सप्रेस को बम से उड़ाने की धमकी

ईमेल में लिखा- 'दो दिन चंडीगढ़ में धमाके होंगे, बच्चे बचाओ'; पुलिस अलर्ट, कई स्कूलों में अफरा-तफरी

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 27 फरवरी। पंजाब सचिवालय और कई स्कूलों को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। चंडीगढ़ और अमृतसर के स्कूल प्रबंधन को भेजे गए धमकी भरे ईमेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं। कुछ स्कूलों में एहतियातन बच्चों को घर भेज दिया गया, जबकि पुलिस ने संबंधित परिसरों की जांच के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी है।

चंडीगढ़ के स्कूलों को ईमेल

चंडीगढ़ के सेक्टर-38 स्थित विवेक हाई स्कूल और मनीमाजरा स्थित गुरुकुल भवन विद्यालय को ईमेल के जरिए धमकी दी गई। सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस की टीमें, बम स्क्वॉड और जांच एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और स्कूल परिसर की सघन तलाशी ली। विवेक हाई स्कूल प्रबंधन के अनुसार, पुलिस जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। स्कूल ने स्पष्ट किया कि आधिकारिक रूप से छुट्टी घोषित नहीं की गई थी, हालांकि कुछ अभिभावक एहतियातन बच्चों को लेने पहुंचे।

धमकी भरे ईमेल में चंडीगढ़ के कुंदन इंटरनेशनल स्कूल, माउंट कार्मल स्कूल, बनियन ट्री स्कूल, सांपिस स्कूल और गुरुकुल भवन विद्यालय समेत अन्य संस्थानों के नाम भी शामिल बताए गए हैं। मेल मिलते ही स्कूलों में हड़कंप मच गया और अभिभावकों को संदेश भेजकर बच्चों को घर ले जाने के लिए कहा गया।

सचिवालय और ट्रेनों को भी निशाना बनाने की धमकी

ईमेल में पंजाब सचिवालय को दोपहर 3:11 बजे और कुछ स्कूलों को 1:11 बजे उड़ाने की धमकी दी गई। इसके अलावा अमृतसर से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों, विशेषकर शताब्दी एक्सप्रेस, को भी अगले दो दिनों में निशाना बनाने की बात लिखी गई है। मेल में मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी धमकी दी गई है। साथ ही 'चंडीगढ़ खालिस्तान है' जैसे आपत्तिजनक संदेश लिखे गए और खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का बदला लेने की बात कही गई। कनाडा पेंशन प्लान फंड वापस लेने का उल्लेख भी ईमेल में किया गया है।

पाकिस्तानी डॉन का दावा, गुरदासपुर एनकाउंटर में बेगुनाह मारा, ऑडियो जारी कर बोला-पंजाब पुलिस सबूत दे, नहीं तो मैं दूंगा

जालंधर/यूटर्न/27 फरवरी। रदासपुर में 2 पुलिस कर्मचारियों की हत्या के बाद हुए एनकाउंटर पर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने सवाल उठाए हैं। भट्टी ने दावा किया कि पंजाब पुलिस का ये एनकाउंटर फेक है। जिस रणजीत सिंह को मारा गया है वो पुलिस को मारने वालों में शामिल ही नहीं था। इसे लेकर शहजाद भट्टी ने ऑडियो जारी किया है। डाकू नाम के इंस्टा पेज पर डाले इस ऑडियो में भट्टी ने कहा- पंजाब पुलिस सिखों के खिलाफ जुल्म कर रही है। अगर मैंने पहले पुलिस वालों

को मारने का वीडियो डाला था तो मुझे ये भी पता है कि ये कत्ल किसने किए हैं और किसने करवाए हैं। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि एनकाउंटर में मारा गया युवक घटना में शामिल नहीं था। भट्टी ने कहा कि इस मामले में पंजाब पुलिस से जवाब मांगा जाना चाहिए और एनकाउंटर करने वाली टीम से सबूत मांगे जाने चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट में जाकर जांच की मांग करनी चाहिए। मुझसे तो रणजीत सिंह की मां का दुख नहीं देखा जाता। उसका रो-रोकर बुरा हाल है। हालांकि, दैनिक भास्कर इस ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है। बता दें कि इस मामले में एक आरोपी रणजीत सिंह का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया था।

पंजाबी सिंगर के सॉन्ग पर कंट्रोवर्सी, बादल पर गाए गाने के बोल हटाए, शिअद ने कहा- एक लाइन से डर गई सरकार

पंजाब/यूटर्न/27 फरवरी। पंजाबी सिंगर रमन लखेसर का गाना माई वर्ल्ड-2 फिर कंट्रोवर्सी में है। शिअद नेता सुखबीर बादल पर गाए इस गाने की लिरिक्स में से जाणदा निआणा की सियाणा बल्लिए, बादलां दा गढ़ थाना लंबी बल्लिए वाली लाइन को हटा दिया गया है। गाने को सिंगर रमन

लखेसर ने गाया है। 9 महीने पहले रिलीज हुए इस गाने पर पहले भी बादलों का नाम लेने पर कंट्रोवर्सी हो चुकी है। इस पर सिंगर ने कहा था कि ये लाइन किसी ने उससे नहीं डलवाई है, बल्कि वह इसी इलाके का रहने वाला है, तो ये लाइन नेचुरली उसके दिमाग में आई थी तो गाने में डाली है। सिंगर ने बादलों की तारीफ के आरोपों को भी नाकारा था। अब यूथ अकाली दल ने इसे लेकर आप सरकार को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप की शह पर इस गीत से बादलों का नाम हटाया गया है। यूथ अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह झिंझर ने एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि सरकार बादलों के नाम से बौखला चुकी है। अब गीतों पर सेंसिरशिप' लगाने जैसा काम किया जा रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि एक गाने की लाइन को हटवाने से पंजाब के लोगों की भावनाएं नहीं बदली जा सकतीं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372